UNIVERSITY NEWS 21 APRIL 2026

AMAR UJALA

लखनऊ विवि : अब अलग से नहीं देना होगा आवेदन पंजीकरण शुल्क

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (लर्न) शुल्क अब विद्यार्थियों को अलग से नहीं देना होगा। ये निर्णय कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने सोमवार को छात्र संगठन एबीवीपी और एनएसयूआई के विरोध प्रदर्शन के बाद लिया। बता दें कि अभी तक लर्न शुल्क 100 रुपये निर्धारित था। अब नई व्यवस्था के तहत यह शुल्क उनके प्रवेश आवेदन शुल्क में ही समायोजित कर दिया जाएगा। वार्ता के दौरान एबीवीपी की ओर से संगठन मंत्री पुष्पेंद्र बाजपेई, राष्ट्रीय कला मंच की प्रांत संयोजक हर्षिका सिंह, उत्तर जिले के संयोजक अभिषेक सिंह, लविवि इकाई उपाध्यक्ष वर्तिका कुशवाहा, सह मंत्री आशुतोष त्रिपाठी समेत अन्य मौजूद रहे। एनएसयूआई की ओर से छात्र नेता विशाल सिंह, प्रिंस प्रकाश, अंकुश मौजूद रहे।

- **अब अवकाश में भी खुलेगी टैगोर लाइब्रेरी** : लखनऊ विवि में अब टैगोर लाइब्रेरी अवकाश दिनों में भी खुलेगी। इसके लिए सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक समय निर्धारित किया गया है। बाकी अन्य दिनों में भी लाइब्रेरी की समय सीमा बढ़ा दी गई है। रोजाना समय सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक निर्धारित किया गया है। (संवाद)

लविवि : रोजगार महाकुंभ में आवेदन का मौका कल तक, बायोडाटा हार्डकॉपी में भी लेकर आएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 23 अप्रैल को होने जा रहे रोजगार महाकुंभ में हार्डकॉपी में भी बायोडाटा लाना होगा। 11 कंपनियों में पांच हजार पदों पर भर्ती के लिए होने वाले आयोजन के मद्देनजर चल रहीं तैयारियों की समीक्षा सोमवार को लविवि कैंपस प्लेसमेंट सेल ने की। सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि अभी तक करीब पांच हजार युवाओं ने पंजीकरण कराया है। युवाओं को इस बात का ध्यान रखना है कि ऑनलाइन पंजीकरण के बाद भी बायोडाटा की हार्डकॉपी साथ लेकर आएं। यदि इसके दो से तीन सेट हों तो ज्यादा बेहतर होगा। यदि किसी युवा को एक कंपनी में नौकरी नहीं मिलती है तो वह दूसरी जगह भी बायोडाटा लगा सकता है। आवेदन करने का मौका 22 अप्रैल तक है। (संवाद)

- यहां से करें आवेदन : https://forms.gle/K25Q2FNdL7DgbZVM8

5000
युवाओं ने कराया पंजीकरण अब तक

आवेदन के लिए क्यूआर कोड करें स्कैन।

HINDUSTAN

आर्थिक संकट से उबारेगा सुरक्षा कवच

एलयू में शोध

लखनऊ, संवाददाता। जिस तरह कछुए का सुरक्षा कवच (कैरापेस) उसके जीवन को सुरक्षित रखने में मददगार होता है, उसी तरह व्यक्ति को आर्थिक झटकों का सामना करने और उबारने में भी सीएआरपीएसईई यानी आत्मविश्वास, दृष्टिकोण, पुनर्प्राप्ति क्षमता, सुलभता, अनुकूलनशीलता, प्रतिबद्धता और सद्भावना की अहम भूमिका होती है। यह सभी गुण व्यक्ति को आर्थिक संकट के समय 'शॉक एब्जॉर्बर' की तरह सहारा देते हैं।

यह तथ्य लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की डॉ. सुषमा सिंह के शोध में सामने आया है। जिसमें एमिटी विवि की डॉ. सना और कुमाऊं विवि के डॉ. नरेंद्र ने भी सहयोग प्रदान किया। कैरापेस फ्रेमवर्क ऑफ फाइनेंशियल रेजिलेंस नामक यह मॉडल हाल ही में प्रतिष्ठित साउथ एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज में प्रकाशित हुआ है जो अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है। डॉ. सुषमा ने बताया मॉडल 370 निवेशकों पर अध्ययन व गहन विश्लेषण पर आधारित है।

बीबीएयू: टीबी के जीवाणु सक्रिय रखने वाले वाले जींस खोजे

अंबेडकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने टीबी के जानलेवा जीवाणु को लेकर बड़ी सफलता हासिल की है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. यूसुफ अख्तर, शोधार्थी डॉ. गौरी शंकर ने एक शोध मे चार खास जीन्स खोजे है। जो मुश्किल वक्त मे टीबी के जीवाणु को सक्रिय रखते है। शोध को स्प्रिंगर नेचर की प्रतिष्ठित पत्रिका बायो मेटल्स ने प्रकाशित किया है। डॉ. यूसुफ ने बताया कि आयरन जीवाणु की बुनियादी जरूरत है। इसलिए साइडरोफोर मार्ग को ब्लॉक करने वाली नई दवाएं उन जीवाणुओं को भी खत्म कर सकेंगी जिन्हे एंटीबायोटिक्स नही मार पाते।

एलयू में अब एलयूआरएन शुल्क की व्यवस्था समाप्त

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब एलयूआरएन पंजीकरण के लिए 100 रुपये का शुल्क नहीं लिया जाएगा। अभी तक प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म भरने से पहले अभ्यर्थियों को एलयूआरएन पंजीकरण के लिए 100 रुपये देना होता था। मगर, अब बिना शुल्क दिए पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण हो सकेगी।

साथ ही पुस्तकालय की समय सीमा भी बढ़ा दी गई है। अब यह प्रतिदिन सुबह सात से रात आठ बजे तक खुलेगी। छुट्टियों के दिन सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक खुली रहेगी। यह निर्णय कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने कई छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ फीस वृद्धि से जुड़े विषयों पर वार्ता कर लिया। कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने बताया कि एलयू न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कटिबद्ध है।

AMAR UJALA

लविवि: व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति समझने के लिए विकसित किया मॉडल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) की प्रोफेसर सुषमा सिंह व उनकी टीम ने आर्थिक मजबूती को समझने के लिए एक नया मॉडल विकसित किया है। इसका नाम 'कैरापेस' रखा गया है जो यह बताता है कि कोई व्यक्ति आर्थिक मुश्किलों का सामना कैसे करता है और उनसे कितनी जल्दी उबरता है। सरल शब्दों में, यह मॉडल समझाता है कि क्यों कुछ लोग आर्थिक संकट के बाद जल्दी संभल जाते हैं, जबकि कुछ लंबे समय तक परेशान रहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत का पहला ऐसा मॉडल है जो व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक मजबूती को मापता है। इससे सरकार और वित्तीय सलाहकारों को बेहतर नीतियां और योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। 'कैरापेस' मॉडल में आठ प्रमुख गुण शामिल किए गए हैं, जिनमें आत्मविश्वास, सही सोच, विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता, संसाधनों तक पहुंच, धैर्य, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना, प्रतिबद्धता और सकारात्मक दृष्टिकोण शामिल हैं। ये सभी गुण मिलकर व्यक्ति को आर्थिक झटकों से संभलने में मदद करते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT

'ऑनलाइन कोर्स वाले छात्रों को मिलेगा ई-लाइब्रेरी एक्सेस'

AI Image

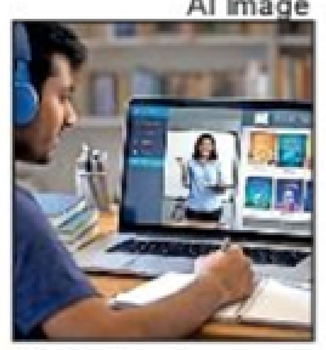

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑनलाइन एजुकेशन प्रोग्राम के तहत संचालित होने वाले कोर्सों में सोमवार से नया सत्र शुरू हो गया। विवि की ओर से छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम ऑनलाइन रूप से आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी कहा कि ऑनलाइन कोर्स के छात्रों को ई-लाइब्रेरी का भी एक्सेज दिया जाएगा, जिससे वे ऑनलाइन विवि की किताबे व जर्नल पढ़ सकते हैं। ऑनलाइन एजुकेशन के निदेशक प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि छात्रों को ऑनलाइन स्टडी मटेरियल तो दिया जाएगा। साथ ही समय-समय पर लेक्चर व डिस्कशन फोरम भी कराए जाएंगे।

HINDUSTAN TIMES

NO LURN FEE FOR LU'S CENTRALIZED ADMISSION: VC

LUCKNOW : After a day full of protests by students associated with various student organizations, Lucknow University on Monday announced that there will be, from this year on, no LURN (Lucknow University Registration Number) fee levied upon the students participating in LU's centralised admission process.

The move came two days after the undergraduate admission brochure was released by the university wherein it was revealed that the admission form fee and semester fee at the time of admission have been substantially increased.

Protest continued throughout the day since morning till late afternoon starting with students of Akhil Bhartiya Vidyarthi Parishad followed by Samajwadi Chatrasabha and National Students Union of India - all of whom demanded rolling back of the fee hike.

LU spokesperson Prof Mukul Srivastava said Lucknow University has always been committed to prioritising the interests of its students. "VC Prof JP Saini today held an open discussion with representatives of various student bodies on issues related to fee hikes. The purpose was to understand students' concerns and to offer concrete solutions from the university administration," said Srivastava.

Prof. Saini said it has been decided to extend library hours. "They will now be open daily from 7 am to 8 pm. Even on holidays (except important ones), the library will be open from 10 am to 2 pm," he said. He said students participating in LU's centralized admission process will no longer be charged a separate LURN fee of Rs 100. HTC

DAINIK JAGRAN

अब एलयूआरएन शुल्क अलग से नहीं लगेगा

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने सोमवार को आंदोलित विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ फीस वृद्धि से संबंधित विषयों पर बात की। उन्होंने कहा कि केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने वाले विद्यार्थियों से एलयूआरएन शुल्क अलग से नहीं लिया जाएगा। पूर्व में यह शुल्क 100 रुपये निर्धारित था। यह शुल्क उनके प्रवेश आवेदन शुल्क में ही समायोजित कर दिया जाएगा। प्रो. सैनी ने पुस्तकालय खुलने की समय सीमा बढ़ाने के निर्देश दिए। अब लाइब्रेरी प्रतिदिन सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक खुली रहेगी। अवकाश के दिनों में पुस्तकालय सुबह 10 से दो बजे तक खुला रहेगा। (जासं)

TIMES OF INDIA

Now, study priesthood, Vastu Shastra at LU

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: Lucknow University will now also produce priests and Vastu Shastra experts.

The astrology department will start two courses - MA Priesthood and MA Vastu Shastra - from the upcoming session. Both will be in the self-finance category with Rs 15,080 per semester fees and have 30 seats each.

Officials said that the programmes have been designed by the astrology department professors and the syllabi align with UGC guidelines, with a focus on practical application along with traditional learning.

The MA Priesthood course will take students through rituals and karmakand practices linked with life events from birth to death. It includes study of nitya karma, naimittika karma and kamya karma as provided in dharma shastras, along with training in rituals such as rudrabhishek, chandi path and bhagwat katha.

When asked about how a degree in priesthood will help a candidate when there are many other options available to learn the rituals, department coordinator Shyamlesh Kumar Tiwari said, "It will help graduates in getting visas for other countries with a substantial Hindu population where they can be hired as priests in temples. It will also act as evidence for graduates to show that they have learnt about rituals from an authentic institution."

The MA Vastu Shastra course will deal with ancient Indian architectural science.

Ancient texts such as samarangana sutradhara, maimatam, vishwakarma prakash and muhurta chintamani will be part of the syllabus, along with guidance on auspicious timing for construction and rituals. Graduates can start their own consultancy services or join companies for employment, he added.

The astrology department already runs MA and BA courses in astrology and offers a PhD in the subject. It has recently also started offering consultancy services in astrology.

LU libaries open from 7am to 8pm

Lucknow University vice-chancellor JP Saini on Monday announced that the cyber and Tagore libraries will now remain open from 7 am to 8 pm daily, giving students more time for study and research. The libraries will also remain open on holidays from 10 am to 2 pm, except on major festivals. The decision was taken after a dialogue following protest by student groups over hike in fees of entrance exam and self-finance courses.